

माँ के चरणों में जग समाया है भजन लिरिक्स



माँ के चरणों में जग समाया है,
माँ के बिन लागे जग पराया है,
बड़ा पावन पुनीत माँ का दर,
हमने भक्तों को कहते पाया है।bd।

तर्ज – यूँ ही तुम मुझसे बात ।

आये धनवान या कोई निर्धन,
सबको मिलता है यहाँ अपनापन,
उसके दर्शन से मात्र ये भक्तों,
दूर हो जाये तेरी हर उलझन,
माँ के दर प्यार मिले,
यहां हर फूल खिले,
माँ की ममता का सबपे साया है,
माँ के चरणों में जग समाया है,
माँ के बिन लागे जग पराया है।bd।

माँ अंधेरो में रोशनी करदे,
जितनी चाहे वो झोलियां भरदे,
जितना जी चाहे माँगलो माँ से,
माँ मुरादे तेरी पूरी करदे,
चलो माँ के दर पे चलो,
ज़रा न देर करो,
शेरावाली ने अब बुलाया है,
माँ के चरणों में जग समाया है,
माँ के बिन लागे जग पराया है।bd।

बीच मझदार में पड़े बेड़े,
इसी माँ ने उन्हें निकाले है,
गमो से घिरने वाले भक्तों को,
इसी माँ ने उन्हें सम्हाले है,
कहे 'राजेन्द्र' सुनो,
माँ के सब भक्त बनो,
मोह माया में क्यों रिझाया है,
माँ के चरणों में जग समाया है,
माँ के बिन लागे जग पराया है।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



माँ के चरणों में जग समाया है,
माँ के बिन लागे जग पराया है,
बड़ा पावन पुनीत माँ का दर,
हमने भक्तों को कहते पाया है।

गीतकार/गायक – राजेंद्र प्रसाद सोनी ।
8839262340
